# ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-7 जुलाई-I, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू 8.00


# लोक मंगल के लिए हो पत्रकारिता: डॉ. मानसिंह

## त्रि-दिवसीय मीडिया सम्मेलन में 500 मीडियाकर्मियों ने लिया भाग

**ज्ञानसरोवर।** कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के उप कुलपति **डॉ. मानसिंह परमार** ने ज्ञानसरोवर परिसर माउण्ट आबू में ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित त्रि-दिवसीय मीडिया सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि हज़ारों वर्षों से भारत देश सकारात्मक सोच व अच्छे समाज की संरचना के लिए चिन्तन का परिचायक रहा है, लेकिन आज इसी देश में उन विषयों में गहन चिन्तन की आवश्यकता अनुभव की जा रही है।

महाभारत व रामायण के प्रमुख पात्रों के हवाले से डॉ. मान ने कहा कि नारद मुनि पत्रकारिता के आदर्श थे क्योंकि उनकी सूचनाओं की विश्वसनीयता पर कभी प्रश्न चिन्ह नहीं लगा। दूरदर्शी चिन्तक होने के नाते उन्होंने हज़ारों साल पहले जल प्रबंधन की बात की जिसकी ज़रूरत अब शिद्दत से महसूस की जा रही है। आज हमारा 90 प्रतिशत समय जब संचार व संवाद में बीत रहा है तो हम कई बार दिशा भ्रम होने की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं। डॉ. मान ने कहा कि वर्तमान सदी में

जब विधायिका, न्यायपालिका व कार्यपालिका से समस्या का समाधान होता नहीं दिखता तो लोग आशा भरी निगाहों से मीडिया की ओर देखते हैं। है। ज़रूरत इस बात की है कि सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए देश के प्रति अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करें। - मीडिया प्रभाग के

### 'नकारात्मक सोच को लक्ष्य में बाधक न बनने दें': दादी

**जहाँ शांति, स्नेह व समन्वय ना हो वहाँ सफलता पाँव नहीं धरती। नकारात्मक सोचने वाले लोगों को हम अपने पावन लक्ष्य में बाधक न बनने दें। सभी के प्रति अच्छी भावनाएँ विकसित करें। - उक्त भावनाएँ वीडियो संदेश के माध्यम से सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं और प्रतिभागियों के लिए आशीर्वचन देते हुए संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने व्यक्त किये।**

यदि लोक मंगल को हम पत्रकारिता का धर्म मान लें और लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन ना करें तो सकारात्मक परिवर्तन लाना मुश्किल नहीं होगा।

भारतीय मीडिया पूर्णतः जागृत अध्यक्ष **ब्र.कु.करूणा**।

मीडियाकर्मी वातावरण व व्यक्ति विशेष से प्रभावित न होकर अंतरात्मा की आवाज़ सुनें और लोक रुचि को ध्यान में रखते हुए निष्पक्षता से कार्य करें।

- प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक **ब्र.कु.सुशांत**।

पत्रकार शांति, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश लेकर जाएंगे और न केवल इन गुणों को अपने जीवन में धारण करेंगे बल्कि कार्यशैली का अभिन्न अंग भी बनायेंगे। - संस्था के कार्यकारी सचिव **ब्र.कु.मृत्युंजय**।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति मीडिया में है और इसका तन्मयता से सदुपयोग करना चाहिए। - स्वच्छ भारत मिशन के विशिष्ठ अधिकारी **अक्षय राऊत**।

स्वयं परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का जो मूल मंत्र यू.एन.ओ. के दिशा निर्देशों के अनुसार संस्था ने जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है उससे जुड़कर इस महान कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। - ब्रह्माकुमारीज़ के आई.टी. प्रभाग की अध्यक्षा **डॉ.निर्मला**।

बैंगलोर से आए राजू भाई व साथियों ने गुरू वंदना एवं अहमदाबाद की विशम्भरा ने स्वागत नृत्य द्वारा दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के मध्य राजयोग शिक्षिका **ब्र.कु. शीलू** ने आज के समय पर राजयोग को प्रासंगिक बताया तथा राजयोग का अभ्यास भी कराया।

### पत्रकारिता एक पवित्र व्यवसाय

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि आई.बी.एन.7 चैनल के उप प्रबंध सम्पादक सुमित अवस्थी ने कहा :-

- आदर्श पत्रकारिता के लिए समाचारों और पत्रकारों को आगे आना चाहिए।
- पत्रकारिता एक पवित्र व्यवसाय है, इसके साथ ना हो कोई छेड़छाड़।
- पत्रकारों को अपने आदर्शों, अपने मूल्यों पर अडिग रहना है।
- सकारात्मकता यह है कि यदि हम स्वयं को बदलेंगे तो उससे समाज व देश में बदलाव निश्चित है।
- आज हमें सोशल मीडिया, वॉट्स एप्प, फेस बुक आदि पर आने वाली अधकचरी सूचना पर लगाम लगाना होगा। उसकी विश्वसनीयता की जाँच अति आवश्यक है।

# कविता में है समाज और राष्ट्र को सम्भालने की ताकत : कोहली

**कवि संगम में हुआ गुजरात के राज्यपाल का महत्वपूर्ण सम्बोधन : कवियों ने देश की संस्कृति को बिखरने से बचाया है।**

**शांतिवन।** ब्रह्माकुमारीज़ के मनमोहिनी वन कॉम्प्लेक्स के ग्लोबल ऑडीटोरियम में दो दिवसीय `राष्ट्रीय कवि संगम' में देश भर से आये लगभग 450 प्रसिद्ध कवियों को संबोधित करते हुए गुजरात के राज्यपाल **ओ.पी.कोहली** ने कहा कि कविता में ऐसी ताकत होती है कि वह व्यक्ति को रुला भी देती है तो हँसा भी देती है। यह जनमानस में उन्माद भी पैदा कर देती है तो सद्भाव भी। सही मायने में कविता में समाज और राष्ट्र को संभालने की ताकत होती है। उन्होंने कहा कि यदि पूरे देश के कवि मिलकर समाज में इस भावना का संचार करना प्रारंभ कर दें तो समाज की पूरी रूपरेखा ही बदल जाएगी। उन्होंने आज़ादी के दिनों को याद करते हुए कहा कि जब हमारे देश में अंग्रेजों का राज्य था, संस्कृति बिखर रही थी तब कालीदास रामचरित मानस लेकर आए और देश की संस्कृति को संभालने की कोशिश की। जिसकी डोर में आज तक भारतीय समाज बंधा हुआ है। ब्रह्माकुमारी संस्थान में किया गया यह आयोजन कई मायनों में अहम होगा। पुनः हमें इस दायीत्व का निर्वहन करना होगा।

- शेष पेज 11 पर

### ब्रह्माकुमारी संस्था साक्षी बनी राष्ट्रीय कवि संगम की

सम्बोधित करते हुए गुजरात के गवर्नर ओ.पी. कोहली। मंचासीन हैं अतिथिगण।

### अध्यात्म के रूप में पहचानी जाती है भारत की विरासत - दादी

**संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि कवि श्रेष्ठ और मूल्यनिष्ठ समाज के मार्गदर्शक हैं। प्राचीनकाल से ही हर कार्य आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत रहा है जो समाज को साहित्य और अध्यात्म के सहारे जोड़ता रहा है। भारत देश की विरासत पूरे विश्व में जानी और पहचानी जाती है क्योंकि यह परमात्मा की अवतरण भूमि है। कवि की रचनाओं में भावनाओं का समुद्र छिपा होता है जो देश को एकता के सूत्र में पिरोये रखता है। यही भारत की पहचान है।**